सांध्य दैनिक
4PM

खुद में वहीं बदलाव लाएं जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।

-महात्मा गांधी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 123 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 9 जून, 2023

राजनाथ जी शिवराज से रहिए... 2 | सबका अरमान जन-जन तक पहुंचे... 3 | योगा कर रहे छह किशोरों को डंपर... 7

सियासत गरमाई, बात औरंगजेब-गोडसे तक आई

» महाराष्ट्र में कोल्हापुर हिंसा के बाद सियासी बवाल

» भाजपा ने विपक्ष पर बोला हमला

» एनसीपी, ओवैसी व उद्धवगुट शिवसेना ने सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। देश में एकबार फिर औरंगजेब को लेकर सियासत गरमा गई है। महाराष्ट्र के शोलापुर से उठी चिंगारी पूरे देश की राजनीति पर आग की तरह फैल गई। जहां भाजपा ने कांग्रेस, ओवैसी, एनसीपी पर जानबूझकर महाराष्ट्र का माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया है तो वहीं विपक्ष ने बीजेपी पर ध्रुवीकरण कराने का दोष मढ़ दिया। इसको लेकर बवाल मचा हुआ है।

अचानक पैदा हुईं औरंगजेब की औलादें- फडणवीस

देवेंद्र फडणवीस ने कोल्हापुर समेत अन्य जगहों में हुई घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा था, महाराष्ट्र में अचानक कुछ जिलों में औरंगजेब की औलादें पैदा हुई हैं,जो औरंगजेब का फोटो दिखाते हैं, औरंगजेब का स्टेटस लगाते हैं. इसके कारण एक दुर्भावना समाज में पैदा हो रही है, इसकी वजह से तनाव भी बन रहा है,सवाल ये है कि अचानक इतनी औरंगजेब की औलादें कहां से पैदा हो रही हैं। बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने ये भी दावा किया कि राज्य के कुछ इलाकों में दंगे जैसे हालात पैदा हो रहे हैं, क्योंकि एक खास समुदाय के लोग औरंगजेब को महिमामंडित कर रहे हैं, कुछ नेता कह रहे थे कि राज्य में दंगे जैसे हालात बन सकते हैं,इन नेताओं की टिप्पणियों की प्रतिक्रिया में खास समुदाय के युवाओं ने औरंगजेब की तस्वीरें लहराईं, उन्होंने औरंगजेब और टीपू सुल्तान को महिमामंडित किया। ये महज इत्तेफाक नहीं हो सकता।

धार्मिक रंग देना अच्छा संकेत नहीं : पवार

शरद पवार से महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति और हिंसा की कुछ घटनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने दावा किया कि राज्य में कुछ छोटे मुद्दों को धार्मिक रंग दिया जा रहा है, शासक राज्य में कानून-व्यवस्था स्थापित करने के लिए जिम्मेदार हैं। अगर सत्ता पक्ष और उनके लोग इसे लेकर सड़कों पर उतर आते हैं तथा दो धर्मों के बीच दरार पैदा करते हैं तो यह शुभ संकेत नहीं है। शरद पवार ने दावा किया, अगर औरंगाबाद में (किसी व्यक्ति का) पोस्टर दिखाया जाता है, तो पुणे में हिंसा की क्या जरूरत है, लेकिन ऐसा होने दिया जा रहा है।

औरंगजेब का पुनर्जन्म हैं पवार : राणे

महाराष्ट्र के बीजेपी नेता नीलेश राणे ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी चीफ शरद पवार को औरंगजेब का पुनर्जन्म कहा। एनसीपी ने इसके विरोध में मुंबई में जेल भरो आंदोलन करने का ऐलान किया। बीजेपी नेता व पूर्व सांसद नीलेश राणे ने मराठी भाषा में ट्वीट करते हुए लिखा कि चुनाव करीब आते ही पवार मुस्लिम समाज के लिए चिंताग्रस्त हो जाते हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है कि औरंगजेब का पुनर्जन्म यानी शरद पवार हैं।

फिर ये गोडसे की औलाद कौन : ओवैसी

एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने को महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के औरंगजेब की औलाद वाले बयान पर पलटवार किया। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, महाराष्ट्र के गृह मंत्री फडणवीस बोले कि ये औरंगजेब की औलाद अच्छा, आपको पूरे मालूम, कौन किसकी औलाद है, ये आपको मालूम है। ओवैसी ने आगे कहा, मुझे नहीं पता था कि इतने एक्सपर्ट हैं आप, फिर ये गोडसे की औलाद कौन है, बोले,ये आप्टे की औलाद कौन है बोलो, ओवैसी का ये बयान महाराष्ट्र के कोल्हापुर में हुए बवाल के बाद सामने आया है, कोल्हापुर में हुए बवाल के बाद अब तक 36 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

कोल्हापुर हिंसा शिंदे सरकार की नाकामी : संजय राउत

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने भाजपा और शिंदे सरकार पर हमला बोला है। राउत ने कहा कि कोल्हापुर में झड़प के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है, इसके लिए राज्य का गृह विभाग और मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं। राउत ने कहा कि औरंगजेब के नाम पर 400 साल बाद भी महाराष्ट्र में हिंसक घटनाएं हो रही हैं, जो शर्म की बात है। बार-बार राजनीतिक लाभ के लिए भाजपा औरंगजेब को फिर से जिंदा कर रही है।

जीवा की पत्नी को नहीं मिली गिरफ्तारी से राहत

» उच्चतम न्यायालय ने आदेश देने से किया मना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लखनऊ की एक अदालत में गोलीबारी के दौरान मारे गए गैंगस्टर संजीव माहेश्वरी जीवा का बीते दिन अंतिम संस्कार कर दिया गया है। गैंगस्टर जीवा के अंतिम सरकार में उनकी पत्नी पायल शामिल नहीं हुई हैं। यह जानकारी उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दी है।

सुप्रीम कोर्ट से पायल को झटका

परिवार को सूचना दी थी पायल को नहीं करेंगे गिरफ्तार : यूपी सरकार

सुप्रीम कोर्ट को जवाब देते हुए यूपी सरकार ने कहा कि गैंगस्टर संजीव जीवा का कल अंतिम संस्कार कर दिया गया है। सरकार ने बताया कि परिवार को सूचना दे दी गई थी कि उसकी पत्नी को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। फिर भी वह वहां मौजूद नहीं रही। गैंगस्टर के बेटे ने जीवा का अंतिम संस्कार किया।

उधर, जीवा की पत्नी के वकील ने जीवा के तेरहवीं तक पायल को गिरफ्तारी से राहत मांगी थी। इसपर उच्चतम न्यायालय ने कोई आदेश देने से मना कर दिया है।

मणिपुर मामले में तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

» इंटरनेट सेवाएं बर्खास्त करने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई

» प्रभावित हो रही लोगों की आजीविका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अब भी लोगों में डर का माहौल

जस्टिस अनिरुद्ध बोस ने कहा कि याचिका को पहले रेगुलर बेंच के सामने पेश करें। हाईकोर्ट इस मामले पर सुनवाई कर रहा है तो फिर सुनवाई को दोहराने की कोई जरूरत नहीं है। बता दें कि मणिपुर सरकार ने मंगलवार को राज्य में जारी इंटरनेट बैन की समय अवधि को 10 जून तक बढ़ा दिया है। सरकार के इस कदम के खिलाफ दायर याचिका में कहा गया है कि इंटरनेट बंद होने की वजह से लोग अपने परिजनों और प्रियजनों से बात नहीं कर पा रहे हैं। इससे डर का माहौल है।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हिंसा प्रभावित मणिपुर में इंटरनेट सेवाओं को बर्खास्त करने के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि उच्च न्यायालय में पहले से ही मामले की सुनवाई चल रही है। कार्यवाही को दोहराने का कोई मतलब नहीं है। इसे नियमित बेंच के सामने ही आने दें। मणिपुर में 3 मई से भड़की इस हिंसा के चलते राज्य में अब तक 90 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं सरकार ने एहतियातन राज्य में इंटरनेट सेवाएं बंद की हुई हैं। इंटरनेट सेवाएं बंद करने से आम जनजीवन काफी प्रभावित हो रहा है। वकील चोंगाथम विक्टर सिंह और बिजनेसमैन मायेंगबम जेम्स ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर इंटरनेट सेवा बहाल करने की मांग की थी।

अपराधमुक्त प्रदेश के दावों की निकली हवा

» सपा अध्यक्ष बोले- जो भी आदमी सूटबूट में दिखा, उसे निवेशक बताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश में भाजपा सरकार के दावों की कलई खुलती जा रही है। कोर्ट में गोलीकांड पर कहा कि मुख्यमंत्री के अपराधमुक्त प्रदेश के दावों की हवा निकल गई है। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट पर कहा कि अब एमओयू करने वाले निवेशकों को खोजना पड़ रहा है।

अखिलेश ने कहा कि फरवरी में हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट में प्रदेश में 33 लाख करोड़ के निवेश का दावा किया गया। भाजपा के पिछले कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में 4.50 लाख करोड रुपये के एमओयू किए गए थे। लेकिन जमीन पर न कोई उद्योग लगा, न रोजगार मिला। आरोप लगाया कि इन्वेस्टर्स समिट में दबाव में कुछ निवेशक हां कहकर चले गए लेकिन अब उनका पता नहीं चल रहा है। सपा प्रमुख ने आरोपों की झड़ी लगाते हुए कहा कि गाजियाबाद में 28 विभागों के लिए 3328 निवेशकों ने 110484.12 करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किये थे। लेकिन इनमें से बड़ी संख्या में निवेशक अधिकारियों के सम्पर्क में ही नहीं आ रहे हैं। हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग विभाग में 607 एमओयू हुए। उनमें से 400 से विभाग का सम्पर्क ही नहीं हो पा रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इन्वेस्टर्स समिट के नाम पर जो भी आदमी सूटबूट में दिखा, उसे निवेशक बताकर एमओयू कर लिया।

गोलीकांड से खुली सुरक्षा की पोल : अखिलेश

अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्षों की सूची जारी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति और प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल द्वारा अनुमोदित समाजवादी अल्पसंख्यक सभा उत्तर प्रदेश की 20 जिला व महानगर अध्यक्षों की सूची प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद शकील नदवी ने जारी कर दी। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा में संत कबीरनगर के जिलाध्यक्ष सैय्यद फिरोज अशरफ, अम्बेडकरनगर में मंजूर अहमद अंसारी, हाथरस में हाजी नबाव हसन अब्बासी, मथुरा में हाफिज हारिश कुरैशी, लखनऊ में मोहम्मद हारून अजीज, अमेठी में मोहम्मद मुख्तार हलवाई, बाराबंकी में इन्तिखाब आलम अंसारी उर्फ नोमानी और अन्य भी नामित किए गए हैं।

सपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए सीपी राय और राकेश राठौर

समाजवादी पार्टी के के संस्थापक सदस्यों में शुमार पूर्व राज्य मंत्री सीपी राय और सीतापुर के पूर्व विधायक राकेश राठौर ने समर्थकों के साथ कांग्रेस का हाथ थाम लिया। उन्होंने संकल्प लिया कि पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में जनता के हक के लिए संघर्ष करेंगे। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सपा के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे पूर्व राज्य मंत्री सीपी राय और पूर्व विधायक राकेश राठौर ने कांग्रेस की सदस्यता ली। दोनों नेताओं को सदस्यता दिलाते हुए प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कहा कि यूपी में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त है। भाजपा सरकार में आम आदमी भय के माहौल में जी रहा है। लखनऊ कोर्ट की घटना ने कानून व्यवस्था की पोल खोल दी है। इस दौरान पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्धकी और पूर्व सांसद पीएल पुनिया ने भी भाजपा सरकार की नीतियों की मुखालफत की। सदस्यता ग्रहण करते हुए सीपी राय ने कहा कि वह जन्म से समाजवादी रहे, लेकिन अब समाजवादी पार्टी में ना तो समाजवाद है और ना ही समाजवाद की विचारधारा बची है। वह राह से भटक गई है। राहुल गांधी के नेतृत्व में ही फासीवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी जा सकती है। भाजपा से बायां सपा होते हुए कांग्रेस में आए सीतापुर के पूर्व विधायक राकेश राठौर ने कहा कि भाजपा की नीतियां आम आदमी के खिलाफ है। देश और संविधान बचाने के अभियान में राहुल गांधी लगे हैं। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश शर्मा, प्रदेश सर्वेश कुशवाहा आदि ने भी कांग्रेस की सदस्यता ली।

मान साहब, आप गिफ्ट में दी कुर्सी पर बैठे हैं : नवजोत कौर

» केजरीवाल ने किया था सिद्धू से संपर्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। सीएम भगवंत मान और कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू के बीच चल रही जुबानी जंग शांत होती नहीं दिख रही। इस मामले में नवजोत सिद्धू की पत्नी डॉक्टर नवजोत कौर ने सीएम पर बड़ा जुबानी हमला बोला है। नवजोत कौर ने भगवंत मान को संबोधित करते हुए ट्वीट किया– आपको पता होना चाहिए जिस कुर्सी पर आप बैठे हैं। वह आपके बड़े भाई नवजोत सिद्धू ने आपको गिफ्ट में दी है।

आपकी पार्टी के बड़े नेता ने चाहा था कि सिद्धू पंजाब का नेतृत्व करें। नवजोत कौर ने लिखा कि केजरीवाल ने विभिन्न माध्यमों से राज्य के प्रति उनके जुनून के बारे में जानते हुए पंजाब का नेतृत्व करने के लिए सिद्धू से संपर्क किया था। सिर्फ इसलिए कि वह अपनी पार्टी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहते थे, उन्होंने आपको एक मौका दिया। सिद्धू की एकमात्र चिंता पंजाब का कल्याण है और उन्होंने इसके लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया है। अगर आप सच के मार्ग पर चलते हैं और वह आपका समर्थन करेंगें। स्वर्णिम पंजाब राज्य उनका सपना है।

'राजनाथ जी शिवराज से रहिए सावधान'

» दिग्विजय ने दी सलाह- बोले आपको भी मामू बना रहे सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजगढ़। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह ने गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को टैग करते हुए कई ट्वीट किए हैं। इसमें उन्हें सावधान रहने की सलाह दी गई है। बता दें कि 13 जून को राजग? में शिवराज सरकार किसान कल्याण महाकुंभ का आयोजन करने जा रही है। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल होंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने ट्वीट में लिखा है कि माननीय राजनाथ सिंह जी का राजगढ़ में हार्दिक स्वागत। आपको 2008 के विधानसभा चुनाव में आपके द्वारा किसानों का क़र्ज़ माफ़ करने का वादा याद दिलाना चाहता हूं। 2008 में आपके वादे के अनुसार भाजपा की सरकार चुनी गई। 2013 में फिर भाजपा की सरकार बनी, लेकिन भाजपा ने किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। गौरतलब है कि 13 जून को राजगढ़ में शिवराज सरकार किसान कल्याण महाकुंभ का आयोजन करने जा रही है। इसमें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल होंगे। कार्यक्रम में लगभग 11 लाख से अधिक किसानों के ऋण का ब्याज माफ करते हुए सहकारी समितियों के खातों में 2200 करोड़ का भुगतान किया जाएगा। साथ ही उक्त कार्यक्रम में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया जाएगा। उक्त आयोजन को लेकर ही पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने ट्वीट करते हुए राजनाथ सिंह को शिवराज सिंह चौहान से सावधान रहने की सलाह दी है।

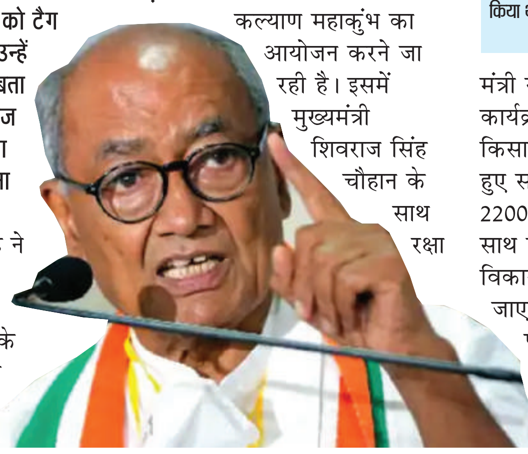

15 साल बाद किसानों का ब्याज माफ करने पर स्वागत

अब आप 15 साल बाद केवल किसानों का ब्याज माफ़ करने आ रहे हैं। जबकि 2018-19 में कमलनाथ के नेतृत्व में 27 लाख किसानों का 11500 करोड़ कर्ज माफ़ किया था। यह भाजपा की सरकार ने विधानसभा में स्वीकार किया था। हमें शक है शिवराजजी आप को भी मामू बना रहे हैं। सावधान रहिए।

डरा कर एलजी ने कर लिया उद्घाटन : आप

» आईपी विवि कैंपस के लोकार्पण समारोह का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने एलजी वीके सक्सेना पर पूर्वी दिल्ली के सूरजमल विहार में आईपी यूनिवर्सिटी के नए कैंपस का जबरन उद्घाटन करने का आरोप लगाया। पार्टी का कहना है कि आईपी यूनिवर्सिटी के कुलपति और अधिकारियों को निलंबित करने का डर दिखाकर एलजी ने खुद को नए कैंपस के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित कराया।

आजादी के बाद किसी शिक्षण संस्थान का उद्घाटन करने वाले वीके सक्सेना पहले एलजी हैं। अब तक मुख्यमंत्री या शिक्षा मंत्री ही उद्घाटन करते रहे थे। जब शिक्षा चुनी सरकार का विषय है, तब भी एलजी हस्तक्षेप क्यों कर रहे हैं? 'आप' ने एलजी को चुनौती देते हुए कहा है कि एलजी लिस्ट जारी करके बताएं कि आईपी यूनिवर्सिटी के कैंपस निर्माण में केंद्र सरकार का क्या योगदान रहा है। आखिर अधिकारियों पर दबाव डालकर एलजी ने पीएम मोदी के फोटो क्यों लगवाए?

केजरीवाल के काम का क्रेडिट एलजी लेना चाहते हैं : आतिशी

दिल्ली की उच्च शिक्षा मंत्री आतिशी ने एलजी विनय सक्सेना से सवाल करते हुए कहा कि एलजी अरविंद केजरीवाल के काम का क्रेडिट लेने के लिए क्यों पीछे पड़े हुए है? जब आईपी यूनिवर्सिटी एक स्टेट यूनिवर्सिटी है। इसके ईस्ट कैंपस का पूरा निर्माण और कोर्स को दिल्ली सरकार ने डिजाइन किया है तो एलजी इसका उद्घाटन करने क्यों पहुंच गए? एलजी ने यूनिवर्सिटी और उच्च शिक्षा विभाग पर क्यों दबाव बनाया कि यदि उनसे आईपी यूनिवर्सिटी के ईस्ट कैंपस का उद्घाटन नहीं करवाया गया तो अफसरों को सस्पेंड कर देंगे?

बंगले मामले में राघव को कोर्ट से राहत, 10 जुलाई को याचिका पर सुनवाई

आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को सरकारी बंगला आवंटन रद्द होने के मामले में अदालत से राहत मिली है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई तक राज्यसभा सचिवालय के सरकारी बंगला आवंटन रद्द होने संबंधी आदेश पर रोक लगा दी है। ऐसे में राज्यसभा सचिवालय के आदेश पर अमल नहीं किया जा सकेगा। मामला सांसद राघव चड्ढा के टाइप 7 बंगले से जुड़ा है। राज्यसभा सचिवालय की तरफ से उन्हें इस बंगले के आवंटन को रद्द करने का नोटिस भेजा गया है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 10 जुलाई को होगी। वहीं, आप सांसद का कहना है कि राज्यसभा सचिवालय की तरफ से बंगले का आवंटन रद्द करने की कार्रवाई सरकार के इशारे पर की गई है। राघव चड्ढा का कहना है कि राज्यसभा के उपसभापति ने उचित प्रक्रिया के बाद उन्हें यह सरकारी बंगला आवंटित किया था। आप सांसद ने कहा कि यह बीजेपी का बदला लेने के स्वभाव को दिखाता है।

सबका अरमान जन-जन तक पहुंचे अभियान

2024 चुनाव के लिए सियासी पार्टियों की तैयारी शुरू

- भाजपा टिफिन तो कांग्रेस भारत जोड़ो से जुड़ेगी जनता से
- आप तिरंगा व सपा रथयात्रा से जाएगी आम जन के द्वार पर
- पुराने साथियों पर बीजेपी डाल रही डोरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव में अब कुछ ही महीनों का समय रह गया है, सियासी गलियारों में यह भी चर्चा है कि समय से पहले चुनावों की घोषणा हो सकती है। खैर, ये सब कयास ही है। जो सामने दिख रहा है वो राजनैतिक दलों का प्रयास है। जैसे चुनाव नजदीक आते जा रहे सियासी पार्टियां आगामी 2024 लोकसभ चुनाव जीतने के नए-नए तरीके तलाश रही हैं। कोई टिफिन के द्वारा कार्यकर्ताओं व जन-जन तक पहुंचना चाहता है तो कोई तिरंगा यात्रा निकाल रहा तो कोई रथयात्रा,कुछ भारत जोड़ों यात्रा के जरिये जनता को अपने से जोड़ना चाहते हैं। जनता पर इनके क्रियाकलापों पर कितना प्रभाव पड़ता है ये तो चुनाव के परिणामों से पता चल जाएगा।

वहीं कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजों ने बीजेपी को झटका दिया है। वहीं, विपक्षी दल एकजुट होकर बीजेपी को चुनौती देने की तैयारी में हैं। चुनावी पंडितों का अनुमान है कि विपक्षी दलों की एकता बीजेपी के लिए लोकसभा चुनाव में मुश्किलें खड़ी कर सकती हैं। बिहार की राजधानी पटना में विपक्षी दलों का महाजुटान होने जा रहा है। मकसद है 2024 में बीजेपी को शिकस्त देने की साझा रणनीति बनाना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी एकजुटता की इस महामुहिम के सारथी बने हैं। उनकी ही पहल 23 जून को विपक्ष के दिग्गज पटना में जुटने जा रहे हैं। पहले ये मीटिंग 12 जून को होने वाली थी। अब सब जुटेंगे। राहुल गांधी भी होंगे। ममता बनर्जी भी होंगी। शरद पवार और अरविंद केजरीवाल भी होंगे। एमके स्टालिन भी होंगे और अखिलेश भी। एंटी-बीजेपी पार्टियों के तकरीबन हर बड़े चेहरे मौजूद होंगे।

विपक्ष की रणनीति से निपटने के लिए बीजेपी मिशन 2024 के लिए अपना प्लान तैयार कर रही है। जिसके तहत बीजेपी एनडीए से अलग हो चुके अपने पुराने साथियों को साथ लाने की तैयारी में है। दरअसल, बीजेपी को पता है कि एनडीए के पुराने साथियों के साथ मिलकर वो कई राज्यों में गैर एनडीए दलों को मात दे सकती है। यही वजह है कि पुराने साथियों की घर वापसी की तैयारी की जा रही है। पिछले कुछ दिनों में टीडीपी और बीजेपी के बीच नजदीकियां बढ़ती देखी जा रही हैं। टीडीपी अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडु ने हाल ही में दिल्ली पहुंचकर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात भी की थी। अब चर्चा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले दोनों दल गठबंधन कर सकते हैं। करीब पांच साल पहले टीडीपी एनडीए से अलग हो गए थे। उधर बीजेपी की नजर टीडीपी के अलावा अकाली दल पर भी है। किसान आंदोलन के दौरान अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था और अकाली दल बीजेपी से अलग हो गई थी। राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए ने बीजेपी को सपोर्ट भी किया था। पंजाब विधानसभा चुनाव के नतीजे के बाद दोनों दलों को लगना है कि एक-दूसरे का साथ देना जरूरी है। यूपी में बीजेपी की स्थिति सबसे अच्छी है, लेकिन फिर भी सीटों के लिहाज से सबसे राज्य में बीजेपी कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है। बीजेपी यहां अपने पुराने साथी ओम प्रकाश राजभर को साथ ला सकती है। राजभर भी कुछ दिनों से अखिलेश यादव और मायावती के खिलाफ तल्ख तेवर अपनाए हुए हैं।

सपा-आप की मुलाकात भी खास

लखनऊ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुलाकात कई मायनों में अहम है। इसके जरिये जहां केजरीवाल दिल्ली में अधिकारियों के तबादलों को लेकर लाए गए अध्यादेश के खिलाफ विपक्ष को लामबंद करना चाहते हैं, वहीं अखिलेश भी जनता को यह संदेश देना चाहते हैं कि भाजपा से लड़ाई में उनकी पार्टी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जाहिर है कि अगर यह अध्यादेश राज्यसभा में गिर गया तो विपक्ष को यह मनोवैज्ञानिक संदेश कि भाजपा अपराजेय नहीं है, जनता को देने का अवसर मिलेगा। अगर कम मतों के अंतर से भी यह विधेयक राज्यसभा में पास होता है, तो भी विपक्ष के रणनीतिकार मानते हैं कि वे यह संदेश देने में सफल होंगे कि अपनी एकता को मजबूत कर भाजपा को चुनौती दी जा सकती है। केजरीवाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव समेत विपक्ष शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और विपक्ष के अन्य नेताओं से मिल चुके हैं। यूपी में भाजपा के खिलाफ मुख्य विपक्षी दल सपा ही है। इसलिए इस लड़ाई में उन्होंने सपा अध्यक्ष से भी समर्थन मांगा है। सूत्रों के मुताबिक, पटना में विपक्षी नेताओं की जो बैठक निकट भविष्य में होने जा रही है, उस लिहाज से भी यह मुलाकात अहम है। इस बैठक में आप और सपा के शीर्ष नेतृत्व का शामिल होना तय है। इस बैठक में लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्ष की संयुक्त रणनीति बनाने की दिशा में आगे बढ़ा जाएगा। जाहिर है एक साथ बैठने से पहले प्रमुख विपक्षी नेताओं का इस तरह से मिलना उस अभियान को मजबूती दे सकता है। इसी तरह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव अलग-अलग राज्यों में जाकर नेताओं से मिल रहे हैं, ताकि भाजपा को लोकसभा चुनाव में कड़ी चुनौती दी जा सके। अब इस लक्ष्य में ये क्षेत्रीय शक्तियां कितना सफल होती हैं, यह तो भविष्य ही बताएगा।

इस बार हारेगी बीजेपी: तेजस्वी

बिहार के डेप्युटी सीएम और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव तो इतने उत्साहित हैं कि आने वाले हर चुनाव में बीजेपी की हार की भविष्यवाणी कर रहे हैं। इससे पहले फरवरी में नीतीश कुमार दावा कर रहे हैं कि अगर सभी विपक्षी पार्टियां एक साथ आ गईं तो 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी 100 सीटों का आंकड़ा तक नहीं छू पाएगी। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जबरदस्त जीत ने ग्रैंड ओल्ड पार्टी नए जोश में है। एकजुट विपक्ष के नेतृत्व को लेकर उसकी दावेदारी मजबूत हुई है। कर्नाटक चुनाव नतीजों के बाद अब विपक्षी एकजुटता की तस्वीर बदल गई है। उससे पहले तक ममता, केसीआर, केजरीवाल जैसे क्षत्रप अपने-अपने स्तर पर विपक्षी एकजुटता की मुहिम चला रहे थे लेकिन कांग्रेस का नेतृत्व स्वीकार करने से खुलकर गुरेज कर रहे थे।

देश के लिए क्षेत्रीय दलों के बीच एकता जरूरी : फारूक अब्दुल्ला

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने 2024 के लोकसभा चुनाव में क्षेत्रीय दलों के साथ आने पर बल देते हुए कहा कि धर्म के आधार पर देश को बंटने से बचाने के लिए यह जरूरी है। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा से उनके निवास पर मुलाकात करने के बाद उन्होंने कहा कि भारत की विविधता को बचाया जाना चाहिए। तीसरे मोर्चे की जरूरत संबंधी एक सवाल क जवाब में अब्दुल्ला ने कहा के सभी के लिए मेरा संदेश है कि भारत में विविधता में एकता है। हमें विविधता की रक्षा करनी है। इससे देश की एकता की रक्षा होगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या 2024 के चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए क्षेत्रीय दलों का साथ आना जरूरी है, तो उन्होंने कहा, प्रश्न भाजपा का नहीं बल्कि देश का है। क्या आप धर्म के आधार पर देश को बंटा देखना चाहते हैं या देश को आप एकजुट चाहते हैं? यह विविधता भरा देश है। अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि उनमें कर्नाटक के साथ कोई साम्यता नहीं है और न ही देवेगौड़ा का कश्मीर के साथ कोई साम्यता है, लेकिन उन्हें जो चीज एक रखती है वह है राष्ट्र निर्माण। जब उनसे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा पटना में विपक्षी दलों द्वारा विपक्षी दलों की एक बैठक बुलाये जाने के बारे में पूछा गया, तो कहा कि ये बैठकें अहम हैं, क्योंकि यह विपक्ष को 2024 के चुनाव के लिए एकजुट करेगी। जब उनसे कहा गया कि देवेगौड़ा की पार्टी जनता दल सेकुलर (जदएस) को इस बैठक के लिए नहीं बुलाया गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें आशा है कि धीरे-धीरे सभी दल साथ आयेंगे।

बढ़ रही कांग्रेस की अहमियत

कांग्रेस का नेतृत्व तो उन्होंने अब भी स्वीकार नहीं किया है लेकिन अब ग्रैंड ओल्ड पार्टी की अहमियत बढ़ गई है। विपक्षी एकजुटता के लिए वह अपरिहार्य हो गई है। इससे पहले तक सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी होने के बावजूद बीजेपी के खिलाफ एकजुटता की मुहिम में वह हाशिए पर चलती दिख रही थी। लेकिन कर्नाटक नतीजों के बाद तस्वीर बदल चुकी है। कांग्रेस की अहमियत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसके शीर्ष नेताओं की बैठक में मौजूदगी हो सके, इसके लिए नीतीश को पटना की बैठक की तारीख बदलनी पड़ी। अब बैठक में राहुल गांधी भी शामिल होंगे और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को छोड़कर बाकी सभी विपक्षी दलों की सियासी जमीन किसी राज्य विशेष तक ही सीमित है। अरविंद केजरीवाल की आप भी दिल्ली और पंजाब में ही मजबूत है। हर राज्य के अपने-अपने सियासी समीकरण हैं। राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी, केसीआर...सबकी अपनी महत्वाकांक्षाएं, सबकी अपनी राजनीति। विपक्ष की तरफ से आखिर मोदी के टक्कर में चेहरा कौन होगा? ये एक ऐसा सवाल है जो पटना की बैठक में एकजुटता का असल इम्तिहान ले सकता है। बीजेपी के खिलाफ विपक्ष की तरफ से साझा उम्मीदवार उतारने की दिशा में सहमति का रास्ता इतना आसान भी नहीं है। वजह है अलग-अलग राज्यों का अलग-अलग सियासी समीकरण। वजह है कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के अपने-अपने हित। इस अंतर्विरोध से पार पाना आसान नहीं होगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मानसून से खिले लोगों के चेहरे

“दरअसल, हफ्तेभर की देरी के बाद मानसून केरल पहुंच गया है। इससे लोगों को तपती गर्मी से निजात मिलने की उम्मीद है। वहीं मौसम विज्ञानियों ने पहले जानकारी देते हुए बताया था कि चक्र वात बिपारजॉय मानसून की तीव्रता को प्रभावित कर रहा है। इसलिए केरल में इसकी शुरुआत हल्की होगी। मानसून दक्षिण अरब सागर और मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों, लक्षद्वीप, केरल व दक्षिण तमिलनाडु के अधिकांश हिस्सों, कोमोरिन क्षेत्र के शेष हिस्सों, मन्नार की खाड़ी, दक्षिण पश्चिम, मध्य और पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी सहित कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है।

मौसम हर पल करवट बदल रहा है। कहीं बारिश की फुहारें पड़ रही हैं तो दूसरी जगहों में गर्मी लोगों को परेशान कर रही है। लोग बेसब्री से मानसून का इंतजार कर रहे। इस बीच केरल से लोगों के लिए राहत भरी खबर आई है। इसके आने से भारत के किसानों के चेहरे पर खुशी छा गई है। गौतलब हो कि भारत में फसल वर्षा पर निर्भर है ऐसे में अगर बारिश कम होती है तो इसका असर खेती पर पड़ता जो पूरे देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। ज्यादा मानसून मतलब ज्यादा अच्छी खेती। दरअसल, हफ्तेभर की देरी के बाद मानसून केरल पहुंच गया है। इससे लोगों को तपती गर्मी से निजात मिलने की उम्मीद है। वहीं मौसम विज्ञानियों ने पहले जानकारी देते हुए बताया था कि चक्र वात बिपारजॉय मानसून की तीव्रता को प्रभावित कर रहा है। इसलिए केरल में इसकी शुरुआत हल्की होगी। हालांकि, आज दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल में आ गया है। मानसून दक्षिण अरब सागर और मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों,लक्षद्वीप, केरल व दक्षिण तमिलनाडु के अधिकांश हिस्सों, कोमोरिन क्षेत्र के शेष हिस्सों, मन्नार की खाड़ी, दक्षिण पश्चिम, मध्य और पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी सहित कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है। सामान्य तौर पर दक्षिण-पश्चिम मानसून राज्य में एक जून को करीब सात दिनों के मानक विचल के साथ दस्तक देता है। विभाग ने मई के मध्य में कहा था कि यह चार जून तक केरल पहुंच सकता है।भारत मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को एक बयान में कहा था कि दक्षिण अरब सागर के ऊपर पछुआ हवाओं के बढ़ने से परिस्थितियां अनुकूल हो रही हैं। साथ ही, पछुआ हवाओं की गहराई धीरे-धीरे बढ़ रही है और इन हवाओं की गहराई औसत समुद्र तल से 2.1 किलोमीटर तक पहुंच गई है। मानसून को केरल तट में टकराने में तीन से चार दिन का समय और लग सकता है। हालांकि करीब आठ दिन की देरी से अब मानसून केरल पहुंचा है। इन मौसम में साइक्लोन बहुत आते हैं। साइक्लोन शब्द ग्रीक भाषा के साइक्लोस से लिया गया है, जिसका अर्थ है सांप की कुंडलियां। इसे ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में ट्रॉपिकल साइक्लोन समुद्र में कुंडली मारे सांपों की तरह दिखाई देते हैं। चक्रवात एक गोलाकार तूफान (सर्कुलर स्टॉर्म) होते हैं, जो गर्म समुद्र के ऊपर बनते हैं। जब ये चक्रवात जमीन पर पहुंचते हैं, तो अपने साथ भारी बारिश और तेज हवाएं लेकर आते हैं। ये हवाएं उनके रास्ते में आने वाले पेड़ों, गाड़ियों और कई बार तो घरों को भी तबाह कर सकती हैं। चक्रवात समुद्र के गर्म पानी के ऊपर बनते हैं। भारत में दक्षिण व पूर्वी तट पर इसका प्रभाव ज्यादा होता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कम आय वर्ग को भी मिले जीडीपी वृद्धि का लाभ

मधुरेन्द्र सिन्हा

इस महीने के तीसरे हफ्ते में वह खुशनुमा खबर आई जिसकी सरकार को भी उम्मीद नहीं थी। भारत के सकल विकास की दर (जीडीपी) 2022-23 की चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च) में 6.1 फीसदी रही जबकि तीसरी तिमाही में यह महज 4.4 फीसदी थी। बाजारों में अनुमान था कि चौथी तिमाही में हमारी अर्थव्यवस्था 5.5 फीसदी की दर से बढ़ेगी। लेकिन केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (एनएसओ) के आंकड़ों ने वित्त मंत्री के चेहरे की मुस्कान वापस ला दी। वित्त वर्ष 2022-2023 में विकास की दर 7.2 फीसदी रही।

जीडीपी के इन शानदार आंकड़ों ने निराशावादी आर्थिक विशेषज्ञों की भविष्यवाणी को खारिज कर दिया। इनमें रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन भी थे जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था का मजाक उड़ाते हुए कहा था कि अगर यह 5 फीसदी की दर से भी बढ़ जाये तो भाग्यशाली होगा। इन आंकड़ों ने सत्तारूढ़ दल को बहुत बड़ा मौका दिया अपने आलोचकों की धुलाई करने का। साथ ही मोदी सरकार को एक विश्वास दिलाया कि उसकी आर्थिक नीतियां सही हैं। ध्यान रहे कि जनवरी महीने में अपनी रिपोर्ट में दुनियाभर में आर्थिक मंदी का हवाला देते हुए आईएमएफ ने कहा था कि 2023 में भारत की जीडीपी की दर 6.1 फीसदी रहेगी जो दुनिया में सबसे ज्यादा होगी। उसकी यह भविष्यवाणी सही निकली। इस खबर की खास बात यह रही कि कृषि क्षेत्र ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। पूरे साल में उसकी विकास दर 4 फीसदी की रही। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में बढ़ोतरी पिछले साल की इसी तिमाही के 0.6 से उछलकर 4.5 फीसदी हो गई, जिसने जीडीपी को महत्वपूर्ण बढ़ावा दिया। सर्विस सेक्टर 9.5 फीसदी की दर से बढ़ा जबकि हॉस्पिटेलिटी सेक्टर ने भी बढ़िया प्रदर्शन किया। हवाई यात्रा करने वालों की संख्या में भी महत्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई, जिससे पता चलता है कि अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ है। कंस्ट्रक्शन क्षेत्र में 10 फीसदी से भी ज्यादा की तेजी रही और इसने ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा दिया है। कमर्शियल बैंकों की स्थिति भी ठीक रही और ऋण के उठाव में पिछले साल अप्रैल की तुलना में 2.8 गुना बढ़ोतरी देखी गई।

यानी कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था के हर हिस्से में तेजी रही, जिससे यह सकारात्मक परिणाम सामने दिख रहे हैं। इतना ही नहीं, क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मोरगैन स्टेनली ने अपनी रिपोर्ट इंडिया इक्विटी स्ट्रेटिजी एंड इकोनॉमिक्स हाउ इंडिया हैज ट्रांसफोर्म्ड इन लेस दैन ए डिकेड में कहा है कि भारत ने पिछले दस सालों में बहुत तरक्की की है और यह एशिया में तरक्की का वाहक बनेगा। उसने कहा है कि अगले दशक के अंत में भारत की जीडीपी 2032 तक 7.9 खरब डॉलर की होगी। फिलहाल यह 3.1 खरब डॉलर की है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत की पर कैपिटा इनकम अभी के 2200 डॉलर से बढ़कर 2032 तक 5,200 डॉलर हो जायेगी। जीडीपी की दर में यह बढ़ोतरी उत्साहवर्धक है। लेकिन भविष्य की चिंताएं भी सामने हैं। सबसे बड़ी चिंता निर्यात की है। हालांकि हमारा आयात भी घटा है लेकिन निर्यात उस स्तर पर नहीं आया है जिसे देखकर उत्साहित हुआ जा सके। रूस-यूक्रेन युद्ध तथा जर्मनी जैसे कुछ देशों में मंदी का आना भारत के लिए चिंता का विषय है। हमारे निर्यात का सबसे बड़ा हिस्सा अमेरिका को जाता है लेकिन वहां की आर्थिक स्थिति चरमराई हुई है और मंदी की आहट गाहे-बगाहे सुनाई देती रहती है। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों तथा कम इनकम ग्रुप के लोगों की मांग में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। यह वर्ग बहुत बड़ा है। यहां देखने लायक बात है कि भारतीय अर्थव्यवस्था खपत पर आधारित है और जितनी खपत बढ़ेगी उतना ही ग्रोथ होगा और इस बार ऐसा ही हुआ। खपत बढ़ने से ही कारखानों के पहिये तेजी से दौड़ने लगे हैं। लेकिन अभी जो आंकड़े आ रहे हैं वे बता रहे हैं कि कम इनकम ग्रुप वाले लोग कम

खरीदारी कर रहे हैं। इसका उदाहरण है। कम कीमत वाली कारों और बाइक की बिक्री में अभी भी तेजी नहीं आई है जबकि महंगी कारों तथा महंगी बाइक की बिक्री तेजी से बढ़ी। अगर हम कोविड आने के पहले यानी 2018-19 के आंकड़े देखें तो पायेंगे कि अभी तक इनकी बिक्री उस स्तर पर नहीं पहुंची। उदाहरण के लिए एंट्री लेवल स्कूटरों की बिक्री अभी 2018-19 की तुलना में 28 फीसदी कम है। इसी तरह मोटरसाइकिलों की बिक्री में 38 फीसदी गिरावट आई है। इतना ही नहीं, इनके निर्यात में भी कमी आई है। इस तरह की गिरावट सस्ती कारों की बिक्री में भी आई है। यह ट्रेंड चिंताजनक है। भारतीय ऑटोमोबाइल निर्माता संघ (सियाम) के अनुसार एंट्री लेवल कारों की बिक्री अपने चरम से गिर गई है और महंगी गाड़ियों खासकर एसयूवी की बिक्री बढ़ गई है।

बाजरे को तार्किकता के साथ अपनाएं

अमरेंद्र किशोर

साल 2023 अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बाजरे का साल है। ज्वार-बाजरा अक्सर 'सुपरफूड' के रूप में जाना जाता है। प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और खनिजों से भरपूर यह अनाज, अपने उम्दा पोषण मूल्य के लिए सदियों से पारंपरिक भोजन के तौर पर देश के ज्यादातर राज्यों में लोकप्रिय रहा है। आज सरकार इसे प्रमुखता से पैदा करने पर जोर दे रही है। भारत बाजरे का प्रमुख उत्पादक है, जो एशिया के उत्पादन का 80 प्रतिशत और वैश्विक उत्पादन का 20 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है। उल्लेखनीय है कि 1960 के दशक तक मध्य भारत का यह मुख्य भोजन रहा है, लेकिन हरित क्रांति के सुरूर में चावल और गेहूं की अधिक उपज देने वाली किस्मों के आने के दौर में लोग बाजरा खाना भूल गए। भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के मुताबिक, 1965-70 तक, बाजरा भारत में कुल खाने की चीजों का 20 प्रतिशत हिस्सा था, जो अब घटकर मात्र 6 फीसदी रह गया है।

सवाल है कि लगातार 50 सालों तक बाजरे को लेकर केंद्र सरकार या राज्य सरकारों द्वारा उपेक्षा का भाव क्यों बना रहा? भला क्यों अब खाद्य सुरक्षा और पोषण के लिए बाजरे के योगदान को स्वीकार किया जा रहा है? बावजूद इसके कि बाजरा किसी भी सूरत में गेहूं और चावल की तरह मुख्य आहार नहीं हो सकता। याद रहे, बाजरे में गोइट्रोजेन भी होते हैं जो आयोडीन के अवशोषण में हस्तक्षेप कर सकते हैं। इसका ज्यादा सेवन करने से थाइरॉयड और घेंघा की समस्या होती है। तो क्या इसी वजह से बाजरे को लम्बे समय तक दरकिनार किया गया? मौजूदा दौर में अचानक बाजरे के टिकाऊ उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार के लिए हितधारकों को प्रेरित करने की दशा देखकर अचंभित होना लाजिमी है। हैदराबाद स्थित भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान को सभी नीतियों, गतिविधियों और कम्युनिकेशन पर नजर रखने के लिए एक नोडल संस्थान बनाया गया है। जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए 6 टास्क फोर्स का गठन किया गया है।

उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने के मंसूबों के साथ, इस पर विभिन्न राज्यों, प्रसंस्करणकर्ताओं, पोषण विशेषज्ञों और किसानों के साथ परामर्श किया गया है। बीती शताब्दी में अधिक अन्न उपजाने के लिए खेती और सिंचाई की जो रीत विकसित हुई उसका खमियाजा आज जल संकट व बंजर होती जमीन के रूप में दिख रहा है। अब दलील दी जा रही है कि एक किलो गेहूं को सिर्फ बोने में ही 900 लीटर पानी की खपत होती है। एक किलो सब्जी उगाने में 500 लीटर पानी और एक किलो चावल की पैदावार में कम से कम ढाई हजार लीटर पानी की जरूरत होती है। भारतीय संविधान में कृषि राज्य सूची का विषय है। फिर अनाज को लेकर इतना बेगानापन क्यों? राज्य सरकारें अन्न को लेकर लम्बे कालखंड में बेखबर रहीं। खास तौर से उन राज्यों में जहां ज्वार-बाजरा-मक्का आदि पैदा करने की परिपाटी रही वहां लोकमानस की परम्परागत भोजन आदतों का सम्मान नहीं किया गया। ग्रामीण आबादी और खास तौर से महुआ, तेंदू, चिरौंजी जैसे वन उत्पादों के संग्रह पर निर्भर आदिवासी जिन अनाजों को सदियों से खाते चले आ रहे हैं, वैज्ञानिक पद्धतियों से जुड़कर उनके उत्पादन की बात कभी नहीं की गयी।

सरकारों ने प्राकृतिक आपदाओं जैसे अकाल-महामारी आदि में ज्वार-बाजरा-मक्का और मजुआ जैसे मोटे अनाज से उन लोगों को दूर कर दिया। यहां तक कि लोक वितरण प्रणाली की दुकानों के माध्यम से राजस्थान, कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे राज्यों के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में, जहां बाजरे की बंपर पैदावार की जाती थी, वहां सरकारी स्तर पर गेहूं मुहैया करवाई गयी। हरित क्रांति के बाद जब गेहूं के भरपूर भंडारण युग की शुरुआत हुई उसके बाद कभी 'काम के बदले अनाज' और राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम में इन मोटे अनाजों का वितरण शायद ही किया गया। चूंकि सत्तर के दशक तक आते-आते किसान गेहूं की बिक्री से मालामाल थे तो मोटे अनाज को पिछड़ेपन और दारिद्र्य का चिन्ह मान लिया गया। बाजरे के उत्पादन में राजस्थान जहां सबसे आगे है तो वहीं उसके बाद दूसरे नंबर पर कर्नाटक है। फिर महाराष्ट्र, चौथे नंबर पर उत्तर प्रदेश और पांचवें पर हरियाणा है।

लेकिन इन राज्यों में कुपोषण के आंकड़ों पर गौर कीजिये। राजस्थान में कुपोषण का स्तर 27.6 प्रतिशत, कर्नाटक में 32.9 प्रतिशत, महाराष्ट्र 36.1 प्रतिशत में उत्तर प्रदेश में 32.1 प्रतिशत और हरियाणा में 21.5 प्रतिशत है। क्या इन राज्यों की आंगनवाड़ी में, या मातृत्व सहयोग योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के जरिये गर्भवती महिलाओं को दिए गए अनाज में बाजरा परोसा गया? सर्वविदित है कि बाजरा आयरन का उत्कृष्ट स्रोत है, जो हीमोग्लोबिन स्तर को सुधारने में मदद करता है। फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, आयरन, जिंक, मैग्नीशियम और विटामिन बी से भी भरपूर होता है। भारत की गेहूं और चावल जैसी अनाज की मुख्य फसलों की तुलना में बाजरा कहीं बेहतर है। कार्बोहाइड्रेट के मामले में यह लगभग गेहूं और चावल के समान व प्रोटीन की मात्रा के मामले में अधिक है। फिर भी बाजरे को अपनाना सही है लेकिन तार्किकता के साथ अपनाना होगा। दरअसल बीमारियों में राहत देने वाले कुछ अनाजों में बाजरा अव्वल है। इसकी खेती को बढ़ावा देना और भोजन में बतौर मुख्य अनाज शामिल करने की पहल जलवायु परिवर्तन के दौर में विवेकसंगत है। नि:संदेह केंद्र सरकार की यह नयी खाद्य संस्कृति की ओर बढ़ने की पहल है।

दमकते चेहरे के लिए गर्मियों में इन प्रोडक्टों का करें इस्तेमाल

देश के कई हिस्सों में आज-कल भीषण गर्मी पड़ रही है। इस गर्मी की वजह से हर कोई परेशान है। उमस के साथ-साथ हीट वेव ने लोगों का घर से बाहर निकलना तक बंद करवा दिया है। आलम ऐसा हो गया है कि लोग बस तभी घर से बाहर निकल रहे हैं, जब उन्हें कोई जरूरी काम हो। इसके पीछे की वजह है स्किन पर तेज धूप का प्रभाव होना। दरअसल, सूरज से निकलने वाली तेज किरणें सीधा स्किन को नुकसान पहुंचाती हैं। जिससे टैनिंग के साथ-साथ सनबर्न की समस्या भी सामने आती है। ऐसे में त्वचा का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। इसी के चलते घर से बाहर निकलते वक्त कुछ स्किन केयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल आपको जरूर करना चाहिए। ताकि गर्मी में भी आपकी त्वचा दमकती रहे। अगर आप इन प्रोडक्ट का इस्तेमाल करेंगे तो आपकी स्किन को काफी राहत मिलेगी और ये धूप से होने वाली परेशानियों से बची रहेगी।

हफ्ते में तीन बार लगाएं फेसपैक

गर्मी के इस मौसम में चेहरा काफी बेजान हो जाता है। ऐसे में इस मौसम में हफ्ते में तकरीबन तीन बार फेसपैक लगाना चाहिए। ऐसा करने से चेहरे को ठंडक मिलती है। अगर चेहरा अंदर से ठंडा रहता है तो उसमें चमक बरकरार रहती है।

जरूर लगाएं फेस टोनर

गर्मियों में मौसम में स्किन का ध्यान रखने के लिए फेस टोनर लगाना कभी ना भूलें। आप चाहें तो गुलाब जल का इस्तेमाल करके फेस टोनर बना सकते हैं। ये आपको काफी राहत पहुंचाएगा। चेहरे को डीप क्लीन करने के लिए आप टोनर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे त्वचा की गहराइयों में छुपे डेड स्किन सेल से साफ हो सकते हैं। निखरी हुई फ्लालेस स्किन के लिए अपने स्किन केयर रूटीन में इन टोनर को शामिल कर सकती हैं।

मॉइस्चराइजर लगाना ना भूलें

अक्सर गर्मियों के मौसम में लोग ये सोच लेते हैं कि गर्मियों में मॉइस्चराइजर की जरूरत नहीं होती। पर, ऐसा नहीं है। इस मौसम में भी आपको चेहरे के लिए अपनी स्किन टाइप के हिसाब से मॉइस्चराइजर का चयन करना चाहिए।

जरूरी है फेस स्क्रब करना

गर्मियों के मौसम में चेहरे से धूल और गंदगी हटाने के लिए फेस स्क्रब जरूर करें। फेस स्क्रब में मौजूद बारीक पार्टिकल्स स्किन के साथ-साथ चेहरे पर मौजूद पोर्स को भी साफ करने में मदद करते हैं। इससे चेहरा अंदर तक साफ हो जाता है।

लगाएं सनस्क्रीन

आप बाहर जाएं या ना जाएं, पर सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना गलती से भी ना भूलें। मॉइस्चराइजर को चेहरे पर लगाने के बाद ही सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। ये आपकी स्किन को यूवी किरणों से बचा कर रखेगी।

हंसना मना है

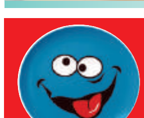

भाभी जी- भैया, ये आम लंगड़ा है क्या?
फलवाला- हां भाभी, भाभी जी- लेकिन सभी एक जैसे दिख रहे है, मैं कैसे मानूं?
फलवाला- लंगड़ा है तभी तो ठेले पर बिठाकर घुमा रहा हूं। फलवाले की बात सुन भाभी जी बेहोश।

सास- दामाद जी अगले जन्म में आप क्या बनना चाहेंगे? दामाद- अगले जन्म में छिपकली बनना चाहुंगा। सास- छिपकली? वो क्यूं? दामाद- क्योंकि आपकी बेटी छिपकली से बहुत डरती है।

संता बड़ा परेशान था, बेचारे की शादी जो नहीं हो रही थी। हर बार शादी होते होते टूट जाती। बेचारा एक दिन एक पंडित जी के पास पहुंच गया। और बोला- पंडित जी कोई उपाय बताए मेरी शादी नहीं हो रही हमेशा टूट जाती है। पंडित जी ने कहा- शादी हो जाएगी, लेकिन सबसे पहले तुम लोगों से सदा सुखी होने का आशीर्वाद लेना बंद करो।

शादी में पंडित जी ने दूल्हे का हाथ दुल्हन के हाथ में थमा दिया। एक बच्चा ये देख रहा था, उसने अपने पिता से पूछा - पिताजी दूल्हा और दुल्हन आपस में हाथ क्यों मिला रहे हैं? पिता ने उत्तर दिया - बेटा, पहलवान अखाड़े में उतरने से पहले हाथ जरूर मिलाते हैं।

कहानी | बुद्धिमान बंदर

एक जंगल में एक बुद्धिमान बन्दर रहता था। बुद्धिमान होने के कारण वो इस जंगल से सभी बंदरों का राजा भी था। एक दिन वो बंदर अपने सभी बंदर साथियों के साथ कूदते-फांदते बहुत दूर आ गए। सभी बंदरों को प्यास लगने लगी। लेकिन वो एक ऐसी जगह पर पहुंचे जिसके निकट क्षेत्र में कहीं भी पानी नहीं था। सभी बन्दर और उनके छोटे बच्चे प्यास से तड़प रहे थे। यह देख बुद्धिमान बन्दर ने कुछ बदरों को आस पास पानी तलाशने के लिए भेजा। थोड़े ही समय के बाद कुछ बंदरों ने एक तालाब ढूंढ निकाला। बंदरों का पूरा झुंड उस तालाब की और चल दिया। तालाब पर पहुंचते ही सभी बंदर पानी पीने को आतुर होने लगे। यह देख बुद्धिमान बंदर ने उन्हें रुकने के लिए कहा। यह सुन सभी बंदर उस बुद्धिमान बंदर की ओर देखने लगे। बुद्धिमान बंदर बोला, यह जगह हमारे लिए नई है इसलिए हमें इस जगह के बारे में कोई जानकारी नहीं है। अतः बुद्धिमान बंदर अपने साथी बंदरों के साथ तालाब और उसके तटों का निरीक्षण व परीक्षण करने लगा। कुछ ही समय बाद उसने वहां कुछ ऐसे पैरों के निशान देखे जो तालब की ओर जा तो रहे थे मगर तालाब से बाहर को नहीं लौटे थे। बुद्धिमान बंदर सब कुछ समझ गया। उसने निष्कर्ष निकाला कि इस तालब में निश्चित ही कोई खतरनाक जानवर रहता है। जो अपनी प्यास बुझाने के लिए इस तालाब पर जाता है यह खतरनाक जानवर उसे मार कर खा जाता है। यह सुन सभी बन्दर मायूस हो गए। सभी को प्यास तो जोरों की लगी थी। तभी बुद्धिमान बंदर के दिमाग में एक विचार आया और वो सभी बंदरों से बोला, भले ही इस तालब में कोई खतरनाक जानवर क्यों न हो लेकिन हम सभी फिर भी अपनी प्यास बुझा सकते हैं। सभी बंदर उसकी बात उत्सुकता से सुनने लगे। बुद्धिमान बंदर बोला, 'देखो तालाब के चारों ओर बेंत के जंगल (पाइप जैसे डंडे) थे जिन्हें तोड़कर हम उनकी नली से सुड़क-सुड़क कर पानी पी सकते थे। सारे बंदरों ने ऐसा ही किया और अपनी प्यास बुझा ली। तालाब में वो खतरनाक जानवर उन्हें देखता रहा मगर उसकी शक्ति तालाब तक ही सीमित थी, वह उन बंदरों का कुछ भी नहीं बिगाड़ सका । सभी बन्दर अपनी प्यास बुझाकर अपने वन की ओर लौट गए।

कहानी से शिक्षा - चाहे कितनी भी बड़ी समस्या क्यों न हो यदि बुद्धिमानी के साथ उस समस्या का हल खोजा जाये तो समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आप अपना काम समय से पूरा करने में सफल हो सकते हैं अगर आप ये समझ लें कि लाइफ में कोई शॉर्टकट नहीं होता है। लवमेटस के रिश्तों में मजबूती आएगी।

तुला

आज आप अपने बच्चों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे । आज आपका कोई मित्र आपसे आर्थिक सहायता के लिए कह सकता है ।

वृषभ

आज का दिन आप में से कुछ के लिए अति शुभ परिणामदायक हो सकता है। आप लंबित असाइनमेंट को पूरा करने में सक्षम होंगे। उद्यमियों के लिए समय शुभ है।

वृश्चिक

कुछ भावनात्मक मुद्दे आपको परेशान कर सकते हैं। आज आपके लिए किसी भी प्रकार के तर्क से बचना बेहतर होगा। आपको किसी यात्रा को स्थगित करना पड़ सकता है।

मिथुन

आज आप जिस भी काम को करना चाहेंगे, वो काम बड़े आराम से पूरा होगा । आपको अपनी मान-प्रतिष्ठा अनुरूप आचरण करते हुए सच्चाई का साथ देना चाहिए।

धनु

आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। सोशल साईट पर आज आपके कुछ नए दोस्त बनेंगे। आज जीवन मे नई आशा जागेगी।

कर्क

आज व्यावसायिक दृष्टि से सकारात्मक विकास संभव है और आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। अगर आप नौकरी बदलना चाहते हैं तो आप निराश नहीं होंगे।

मकर

आज का दिन आप में से अधिकतर के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। आप शुभचिंतकों और दोस्तों की मदद से भविष्य की योजनाएं बना सकेंगे।

सिंह

आज फिल इन द ब्लैंक पद्धति से काम निपटा कर रिलेक्स महसूस करेंगे। आज आप अपने व्यापार को नया मोड देने का निर्णय लेंगे, जिसका फायदा भी होगा।

कुम्भ

आज परिवार के सभी सदस्यों में आपसी सौहार्द बढ़ेगा। आज अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए कोई बड़ा फैसला लेंगे। जिससे आपको लाभ भी होगा।

कन्या

आज भाग्य आपके साथ है। आप प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे। एक नई साझेदारी में प्रवेश कर सकते हैं, जो आने वाले समय में आपके लाभ को बढ़ा सकते हैं।

मीन

यह मिश्रित परिणामों की अवधि होगी। आप अपने कार्यस्थल पर नई कठिनाइयों का सामना कर सकते हैं। यह समय नई रणनीति और दृष्टिकोण अपनाने और केंद्रित रहने का है।

फिर बनने जा रही है नई रामायण

रणबीर कपूर बनेंगे राम तो माता सीता बनेंगी आलिया

बॉलीवुड | मसाला

ओम राउत के निर्देशन में बनी आदिपुरुष को लेकर काफी चर्चा बनी हुई है। रामायण की तर्ज पर बनाई गई इस फिल्म को काफी विवादों का भी सामना करना पड़ा है। फिल्म में प्रभास को भगवान राम का किरदार निभाते हुए देखा जा रहा है। वहीं, कृति सेनन माता सीता और सैफ अली खान लंकापति रावण का किरदार निभाते हुए नजर आ रहे हैं। अभी ये फिल्म रिलीज भी नहीं हुई है कि इससे पहले ही अगली रामायण पर चर्चा शुरू हो चुकी है। डायरेक्टर नितेश तिवारी भी जल्द ही दर्शकों के समक्ष नई रामायण पेश करने जा रहे हैं। अब उनकी इस फिल्म से जुड़ी भी नई खबर सामने आ रही है। कहा जा रहा है कि उनकी रामायण में बॉलीवुड एक्टर रणबीर को भगवान राम के रोल में देखा जा सकता है। उनके साथ फिल्म उनकी अर्धांगिनी यानी आलिया भट्ट माता सीता के किरदार में नजर आ सकती हैं। खबरों की माने तो फिल्म में इन दोनों को फाइनल कर लिया गया है और इसी साल दिसंबर में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी जाएगी।

ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म के लिए रणबीर को फिजिकली ट्रांसफॉर्मेशन की जरूरत है। वहीं, रावण के रोल के लिए साउथ फिल्मों के सुपरस्टार को चुना गया है। खबरें हैं फिल्म में केजीएफ फेम यश रावण की भूमिका निभाते हुए नजर आ सकते हैं। कहा जा रहा है कि फिलहाल उन्होंने इस रोल के लिए साइन नहीं किए हैं। कुछ इश्यूज को सुलझाने के बाद वह भी इस फिल्म का हिस्सा बन सकते हैं।

दूसरी ओर मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मेकर्स अपनी इस मेगाबजट फिल्म का ऐलान इसी साल दिवाली के खास मौके पर कर सकते हैं। फिलहाल कुछ भी आधिकारिक तौर पर ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन अगर ऐसा होता है तो दर्शकों के यश को रावण के रोल में देखना वाकई बहुत दिलचस्प होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म ताल के शूट का दिन था जिंदगी का सबसे बुरा दिन : शाहिद कपूर

शाहिद कपूर ने 2003 में फिल्म इश्क विश्क से एक्टिंग डेब्यू किया था। लेकिन इससे पहले वह फिल्म ताल में नजर आ चुके थे। शाहिद कपूर, ऐश्वर्या राय और अक्षय खन्ना स्टारर इस फिल्म के एक गाने में बैकग्राउंड डांसर के रूप में दिखे थे। ताल के अलावा शाहिद कपूर कुछ और फिल्मों में बैकग्राउंड डांसर के तौर पर दिखे। लेकिन ताल के शूट को शाहिद अपने करियर का सबसे खराब और सबसे अच्छा दिन भी मानते हैं। मालूम हो कि शाहिद ताल के कहीं आग लगे लग जाए गाने में नजर आए थे। इस गाने के शूट के दौरान ऐसा क्या हुआ था कि शाहिद को वह अपने करियर का सबसे बुरा दिन लगता है? शाहिद ने बताया कि जब वह Aishwarya Rai के साथ कहीं आग लगे लग जाए के शूट के लिए जा रहे थे, तो उनके साथ क्या हुआ था। Taal 1999 में रिलीज हुई थी। फिल्म में अनिल कपूर, अमरीश पुरी और आलोक नाथ भी नजर आए थे। शाहिद कपूर ने बताया कि जब वह शूट पर जा रहे थे, तो उनका एक्सीडेंट हो गया था। जब वह सेट पर पहुंचे तो बुरी हालत थी। लेकिन जब उन्हें एक बेहतरीन शॉट मिला, तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उस अच्छे और बुरे पल की यादों को कुरेदते हुए शाहिद बोले, कोई भी यह नहीं जानता है। लेकिन उस दिन मेरा एक्सीडेंट हो गया था। मैं बाइक चलाता था और जाते वक्त उससे गिर पड़ा। मुझे याद है कि मैं जब सेट पर पहुंचा तो बहुत घबराया हुआ था। मैं बाइक से गिरा था और समझ नहीं आ रहा था कि मेरे साथ क्या हुआ? मैं उस दिन को हमेशा एक अच्छे और बुरे वक्त के तौर पर याद रखूंगा। शाहिद कपूर ने श्यामक डावर से डांस की ट्रेनिंग ली थी और वह उनके ट्रूप का हिस्सा थे। ताल से पहले शाहिद ने यश चोपड़ा की दिल तो पागल है में काम किया था। यह श्यामक डावर की पहली हिंदी फिल्म थी और इसमें कई डांस नंबर्स थे। इस फिल्म के गानों में भी शाहिद कपूर बैकग्राउंड डांसर बनकर नजर आए।

तमन्ना भाटिया ने बॉसी लुक में गिराई हुस्न की बिजलियां

तमन्ना भाटिया इन दिनों लगातार किसी न किसी वजह से खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। अपनी फिल्मों को लेकर तो एक्ट्रेस हमेशा चर्चा में रहती ही हैं, लेकिन कुछ समय से वह अपनी लव लाइफ की वजह से भी खबरों में हैं। हालांकि, फिलहाल तो एक्ट्रेस का सिजलिंग अंदाज लोगों का ध्यान उनकी ओर खींच रहा है। अब एक बार फिर से तमन्ना ने फैंस के साथ अपने नए लुक की शेयर कर दी है। तमन्ना अपने दुनियाभर के चाहने वालों के साथ सोशल मीडिया के जरिए भी जुड़ी रहने की पूरी करती हैं। ऐसे में उनके इंस्टाग्राम पेज पर उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक भी देखने भी देखने को मिल जाती है। लेटेस्ट फोटोज में एक्ट्रेस का बॉसी लुक नजर आ रहा है, जिसे उन्होंने ग्लैमरस अंदाज में कैमरे के सामने फ्लॉन्ट किया है।

स्टनिंग दिख रही हैं तमन्ना

तमन्ना ने इस फोटोशूट के लिए ऑफ व्हाइट शेड का ब्लेजर और ट्राउजर कैरी किया है। इसे उन्होंने व्हाइट शर्ट के साथ पेयरअप किया है। एक्ट्रेस ने इस लुक में स्टाइल अंदाज का तड़का लगाने के लिए गोल्ड और व्हाइट पर्ल वाली हैवी ज्वेलरी कैरी की है। तमन्ना ने इस दौरान मिनिमल ग्लॉसी मेकअप किया है। उन्होंने स्मोकी आईज रखी है और बालों को सॉफ्ट कर्ल टच देकर ओपन रखा है। इस लुक में एक्ट्रेस काफी स्टनिंग दिख रही हैं।

इन फिल्मों में दिखेंगी तमन्ना

दूसरी ओर तमन्ना के वर्क फ्रंट की बात की जाए तो उनके पास इस समय कई प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में हैं। एक्ट्रेस जल्द ही लस्ट स्टोरी 2 में नजर आने वाली हैं। इसके बाद उन्हें भोला शंकर, जेलर, बोले चूड़ियां, दैट इज महालक्ष्मी और बांद्रा जैसी फिल्मों में भी अलग-अलग अंदाज में देखा जाने वाला है।

19 साल की यह लड़की बनेगी इटली की महारानी, गद्दी सौंपने को तैयार हैं राजा

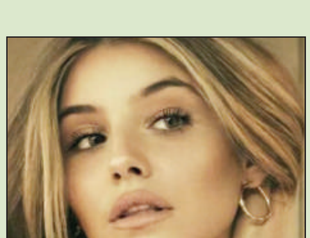

राजवंशों में उत्तराधिकार को लेकर विवाद के बीच इटली में 19 साल की खूबसूरत मॉडल, इंफ्लुएंसर विट्टोरिया क्रिस्टीना महारानी बन सकती हैं। दरअसल, हाउस ऑफ सेवॉय प्रिंस इमैनुएल फिलिबर्टो ने बीते दिनों बड़ा ऐलान किया और कहा-मैं सिंहासन और ताज के लिए अपना दावा छोड़ दूंगा और चाहूंगा कि मेरी बेटी इस राज्य का नेतृत्व करें। अगर ऐसा हुआ तो ब्रिटेन के बाद यह दूसरा यूरोपीय देश होगा जहां महिला को कमान सौंपी जाएगी।

इटली में राजशाही समाप्त हुए लगभग 77 वर्ष बीत चुके हैं लेकिन राजपरिवार अभी भी हैं। कुछ साल पहले राजा विट्टोरियो एमैनुएल डी सेवोइया ने कहा था कि उनकी पोती के पास गद्दी का उत्तराधिकार रहेगा। विट्टोरियो की पोती का नाम विट्टोरिया क्रिस्टीना है जो इस राजवंश की राजकुमारी हैं। हालांकि, अभी हाउस ऑफ सेवॉय प्रिंस उनके पिता इमैनुएल फिलिबर्टो हैं। लेकिन हाल ही में उन्होंने एक बातचीत के दौरान यह कहकर हलचल मचा दी कि वह अपनी बेटी को बैटन सौंप देंगे। उन्होंने कहा-मैं बहुत खुशी के साथ पद छोड़ दूंगा और उन्हें भूमिका निभाने दूंगा। मुझे यकीन है कि वह मुझसे बेहतर करेगी। विट्टोरिया, एक महत्वाकांक्षी राजनीतिक वैज्ञानिक और लंदन विश्वविद्यालय में कला के इतिहास की छात्रा, राजशाही के लिए एक नया दृष्टिकोण ला सकती हैं। विट्टोरिया सोशल मीडिया स्टार हैं और उनकी खूबसूरत तस्वीरें खूब सुर्खियां बटोरती हैं। इटली राजवंश के करीब एक हजार साल के इतिहास में ऐसा पहली बार होगा जब किसी महिला को रानी बनाया जाएगा। फिलिबर्टो ने कहा, युवा होने के साथ ही वह बेहद समझदार हैं। उन्हें दुनिया की समस्याओं के बारे में ज्यादा जानकारी है। इसलिए हम चाहेंगे कि सत्ता उनके पास रहे। इसके लिए मेरी मृत्यु होने का उन्हें इंतजार नहीं करना होगा। विट्टोरिया ने भी इसे काफी अहम पड़ाव माना। उन्होंने कहा, आज के दौर में जब महिलाएं अपने अधिकारों के लिए लड़ रही हैं, इस तरह का फैसला बहुत अहम हो जाता है।

अजब-गजब | देश का सबसे भुतहा रेलवे स्टेशन

5.30 बजे शाम के बाद यहां कोई नहीं आता नजर, थर-थर कांपते हैं लोग!

रेलवे स्टेशन एक ऐसी जगह है जहां लोगों का आनाजाना लगा रहता है। यहां अक्सर आपको कोई न कोई नजर आ जाएगा। लेकिन दुनिया में एक ऐसा स्टेशन भी है, जहां लोग नजर ही नहीं आते। यहां तक कि अगर ट्रेन रात में यहां से निकलती है तो भी यात्री खिड़कियां बंद रखते हैं। कहा जाता है कि इस स्टेशन को देखना खतरे से खाली नहीं। इसे देश का सबसे भुतहा रेलवे स्टेशन माना जाता है। शाम 5 :30 बजे के बाद यहां कोई भी नजर नहीं आता। यहां जाने पर लोग थर-थर कांपते हैं।

बेगुनकोदर नाम का यह स्टेशन पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में है। तकरीबन 42 साल तक यह बंद रहा और वो भी एक लड़की की वजह से। लेकिन जब आप इस स्टेशन के बंद होने के कारणों को समझेंगे तो आप भी भ्रमित हो जाएंगे। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस स्टेशन पर एक लड़की का भूत रहता है। इसलिए लोग यहां आने से डरते हैं। शाम होते ही यहां सन्नाटा छा जाता है। लोग बताते हैं कि बेगुनकोदर रेलवे स्टेशन 1960 में खोला गया था, लेकिन सात साल बाद ही इसे बंद करना पड़ा। 2007 में ग्रामीणों ने तत्कालीन रेल मंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर

स्टेशन फिर से शुरू करने का आग्रह किया। उसके बाद यहां ट्रेनें रुकने लगीं लेकिन अभी भी यह भूतों का अड्डा माना जाता है।

इस स्टेशन के आसपास की इमारतें भी पूरी तरह वीरान हैं। स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नहीं है और इसके एक कोने में सिर्फ 12 बाई 10 फीट का टिकट काउंटर बना हुआ है। बेगुनकोदर कोलकाता से 260 किलोमीटर दूर है। कहा जाता है कि संथाल जनजाति की रानी लाखन कुमारी ने इस स्टेशन को शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। लाखन कुमारी ने स्टेशन के लिए रेलवे को भारी सब्सिडी दी थी। उनका मकसद अपने समुदाय के लोगों के जीवन स्तर में सुधार करना था। स्टेशन खुलने के बाद कुछ सालों तक तो सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहा, लेकिन कहा जाता है कि फिर यहां अजीबोगरीब घटनाएं होने लगीं।

वर्ष 1967 में बेगुनकोदर के एक रेलवे कर्मचारी ने स्टेशन पर एक महिला का भूत देखने का दावा किया। ऐसी अफवाह थी कि उसी स्टेशन पर एक ट्रेन दुर्घटना में लड़की की मौत हो गई थी। अगले दिन उस रेलवे कर्मचारी ने लोगों को इस बारे में बताया। लोगों का कहना है कि उन्होंने इस रेलवे स्टेशन की पटरियों पर एक लड़की देखी है, जो हमेशा सफेद कपड़े पहनती है। स्टेशन के बारे में कई कहानियां प्रचलित हैं। इसे हॉन्टेड स्टेशन के नाम से जाना जाने लगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब स्टेशन खुला तो स्टेशन मास्टर ने ट्रैक पर एक अनजान महिला को देखा। इस जगह से जुड़ी भूतों की कहानियां आज भी लोग मानते हैं। स्थानीय और आसपास के गांवों के लोग शाम साढ़े पांच बजे के बाद यहां नहीं रुकने की सलाह देते हैं। स्टेशन धान के खेतों से घिरा हुआ है। लेकिन दूर दूर तक आपको कोई नजर नहीं आएगा। इसलिए यह देखने पर डरावना अनुभव देता है।

योगा कर रहे छह किशोरों को डंपर ने कुचला, दो की मौत

» चार गंभीर रूप से घायल
झांसी-कानपुर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। झांसी में राष्ट्रीय राजमार्ग झांसी-कानपुर (एनएच-27) पर थाना पूंछ के मडोरा खुर्द के पास शुक्रवार सुबह दर्दनाक हादसा हुआ है। एक डंपर ने छह बच्चों को कुचल दिया। हादसे में दो की मौत हो गई। जबकि चार गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, थाना पूंछ के मडोरा खुर्द के पास शुक्रवार सुबह करीब छह बजे सड़क किनारे बैठकर योगा कर रहे छह किशोरों को डंपर ने रौंद दिया। उनमें से दो किशोरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हो गए। इन सभी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सड़क हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

मडोरा खुर्द निवासी अभि (12) पुत्र इमरत सिंह यादव, अभिषेक (11) पुत्र ओमप्रकाश यादव, अनुज (17) पुत्र भूरे यादव, सुंदरम (17) पुत्र कौशल किशोर यादव, आरव (11) पुत्र बुद्धि प्रकाश यादव और आर्यन (13) पुत्र गिरिवर यादव सुबह करीब छह बजे हाईवे की सर्विस रोड पर बैठकर योग कर रहे थे। उसी समय कानपुर की ओर से एक तेज रफ्तार डंपर उधर से गुजरा। सर्विस लेन पर आकर वह बेकाबू हो गया। वहां बैठे किशोरों को रौंदता हुआ आगे निकल गया। मौजूद ग्रामीणों ने शोर मचाया लेकिन, चालक डंपर लेकर भाग निकला। सूचना मिलने पर पूंछ पुलिस भी पहुंच गई।सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। यहां चारों की हालत नाजुक बताई जा रही है। जबकि अभि पुत्र इंद्र सिंह यादव और अभिषेक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार के लोग रोते बिलखते अस्पताल पहुंच गए हैं।

मप्र के शिवपुरी में बस पलटी, डेढ़ दर्जन यात्री घायल

बारां। राजस्थान के बारां जिले में शुक्रवार सुबह एक सड़क हादसा में मध्यप्रदेश जा रहे डेढ़ दर्जन यात्री घायल हो गए। यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर हुआ। यहां एक प्राइवेट बस पलट गई। करीब डेढ़ दर्जन यात्री इस हादसे में घायल हुए हैं। सभी घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। यह घटना किशनगंज कस्बे के तेजाजी के डांडा के माताजी मंदिर के आगे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस चालक ने अचानक ब्रेक लगाने के बाद बस अनियंत्रित हो गई और फिर यह हादसा हुआ। हादसे की शिकार बस बारां की ओर से शिवपुरी जा रही थी। इसी दौरान अनियंत्रित होकर पलट गई। बस पलटने से यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। बस पलटने की जानकारी पर तेजाजी के डंडा निवासी जगदीश प्रजापत मौके पर पहुंचे और घायलों को बस से बाहर निकाला। उन्होंने ही अपने ट्रैक्टर से सभी घायलों को किशनगंज चिकित्सालय पहुंचाया।

शूटर का सनसनीखेज खुलासा

कुख्यात संजीव जीवा को मारने के लिए मिली सुपारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कुख्यात संजीव जीवा को गोलियों से भूनने वाले शूटर विजय यादव के तार नेपाल से जुड़ रहे हैं। वह कुछ दिन पहले नेपाल गया था। वहां एक बड़े माफिया के संपर्क में रहा। ये बात उसने पुलिस को बताई है। कहा है कि एक शख्स ने उसको जीवा की फोटो दिखाकर मारने की सुपारी दी। 20 लाख रुपये में डील हुई। हालांकि अभी सिर्फ पांच हजार व रिवॉल्वर दी थी। जानकारी के अनुसार, संजीव जीवा को गोलियों से भूनने वाले शूटर विजय के तार नेपाल के माफिया और हाल ही में मारे गए अतीक अहमद के दोस्त अशरफ से जुड़ रहे हैं। विजय कुछ दिन पहले नेपाल गया था।

पुलिस का दावा- नेपाल से जुड़ रहे तार

कोर्ट रूम में गैंगस्टर संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा की हत्या के मामले में बृहस्पतिवार रात चार हेड कांस्टेबल व दो कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया। शुरुआती जांच में इनकी लापरवाही का दावा किया गया है। इनकी कोर्ट परिसर के अलग-अलग गेट पर ड्यूटी थी। वहीं, इतनी बड़ी वारदात में केवल हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल को जिम्मेदार ठहराया गया है। बड़े जिम्मेदारों की जिम्मेदारी तय न कर अब तक उन्हें बचा लिया गया है। हमलावर विजय यादव कोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था भेदते हुए रिवॉल्वर के साथ आसानी से कोर्ट रूम तक पहुंच गया। कोर्ट एक महत्वपूर्ण स्थान है लिहाजा सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़े अफसर भी जिम्मेदार होते हैं। मगर कार्रवाई सिर्फ सिपाहियों पर हुई।

अधीनस्थ न्यायालयों को शस्त्र मुक्त क्षेत्र घोषित करें : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाईकोर्ट समेत प्रदेश के समस्त न्यायालय परिसरों की सुरक्षा और अधिक बेहतर करने संबंधी निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करने को कहा है। इस बाबत जिला न्यायाधीशों की अध्यक्षता में बार के सदस्यों के साथ बैठक कर स्थानीय स्तर पर सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने और न्यायालय परिसर में शस्त्र लेकर प्रवेश न किए जाने के आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने को कहा है। उन्होंने कहा कि अधीनस्थ न्यायालयों को 'द आर्म्स रूल 2016' के नियम 46 के अन्तर्गत अग्न्यायुध मुक्त क्षेत्र घोषित किया जाए।

ये निलंबित

हेड कांस्टेबल सुनील दुबे, मो. खालिद, अनिल सिंह, सुनील श्रीवास्तव और कांस्टेबल निधि देवी व धर्मेंद्र। इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

दिल्ली हाईकोर्ट का केन्द्र सरकार को झटका

मुसलमानों के लिए हज मौलिक अधिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने हज समूह के कई आयोजकों के पंजीकरण प्रमाणपत्र और कोटा के निलंबन पर रोक लगाते हुए कहा, मुसलमानों के लिए हज केवल एक छुट्टी नहीं, बल्कि उनके धर्म और विश्वास का अभ्यास करने का एक माध्यम है जो एक मौलिक अधिकार है।

तीर्थयात्रियों के लिए टूर ऑपरेटरों के रूप में काम करने वाले हज समूह आयोजकों (एचजीओ) के पंजीकरण प्रमाणपत्र व कोटे को केंद्र सरकार ने पिछले महीने स्थगित कर दिया था। जस्टिस चंद्र धारी सिंह की अवकाशकालीन पीठ ऐसे 13 से अधिक एचजीओ की याचिकाओं पर विचार कर रही थी। पीठ ने आदेश में कहा, हज यात्रा और उसके समारोह एक धार्मिक प्रथा के दायरे में आते हैं, जो भारत के संविधान में संरक्षित है और अदालत उस अधिकार की रक्षक है। पीठ ने केंद्र की ओर से 25 मई को जारी हज-2023 के लिए हज कोटा के आवंटन की समेकित सूची में पंजीकरण प्रमाणपत्र और कोटा को लेकर की गई टिप्पणियों पर मामले में कार्यवाही पूरी होने तक रोक लगा दी। पीठ ने स्पष्ट किया कि अधिकारी याचिकाकर्ताओं को उनकी कथित चूक के लिए जारी किए गए कारण बताओ नोटिस के अनुसरण में जांच को आगे बढ़ा सकते हैं।

महीने के अंत तक राजधानी पहुंचेगा मानसून

» 11 जून तक प्रदेश के कई इलाकों में लू के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक सप्ताह देरी से चल रही मानसूनके इस महीने के अंत तक राजधानी लखनऊ पहुंचने के आसार हैं। मौसम विशेषज्ञ के मुताबिक, 28 से 30 जून के बीच मानसून लखनऊ में प्रवेश कर सकता है। पहले के संकेतों के मुताबिक इसे 22-23 जून तक आ जाना चाहिए थे।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक के मुताबिक, सिस्टम से मिल रहे संकेत बता रहे हैं कि केरल के ऊपर दक्षिण-पश्चिम मानसून मंडरा रहा है। वर्ष 2022 की बात करें तो 30 जून को मानसून ने राजधानी में दस्तक दी थी। पहले ही दिन सुबह से शाम तक आठ मिमी. पानी गिरा था। मौसम विभाग ने जारी पूर्वानुमान में 11 जून तक प्रदेश के कई इलाकों में लू चलने और कहीं-कहीं बरसात के भी आसार जताए हैं।

पछुआ से गर्मी बढ़ी, पारा 41 पार

मौसम विभाग का पूर्वानुमान बृहस्पतिवार को सही साबित हुआ। लोगों ने भीषण गर्मी का अहसास किया। दोपहर में धूप इतनी तल्ख थी कि सड़कों पर कम लोग ही नजर आए। पारा चढ़कर 41.3 डिग्री पर पहुंच गया। यह बुधवार के मुकाबले करीब एक डिग्री ज्यादा रहा। बृहस्पतिवार को रात का पारा 26.5 डिग्री रहा। बीते 24 घंटे के मुकाबले इसमें मामूली बदलाव आया। विशेषज्ञ एचआर रंजन के मुताबिक, पछुआ हवाएं लू जैसा अहसास तो करा रही थीं, पर लू चली नहीं। कानपुर, इटावा, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़ को छोड़ दें तो प्रदेश के अधिकतर क्षेत्रों में अधिकतम पारा 40 डिग्री को पार कर चुका है। सर्वाधिक गर्म झांसी रहा। यहां 45 डिग्री तापमान पर लोग झुलसे। जबकि प्रयागराज में पारा 44..1 और बस्ती में 43 डिग्री दर्ज हुआ। कानपुर वायु स्टेशन पर भी तापमान 43 डिग्री दर्ज हुआ। फिलहाल दो-तीन दिन प्रदेश को भीषण गर्मी झेलनी होगी।

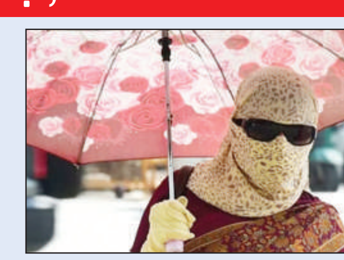

भारतीय टीम की हालत पतली, 151 पर आधी टीम ढेर

» वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल : ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में खड़ा किया 469 रन का विशाल स्कोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 469 रन का विशाल स्कोर बनाया है जिसके सामने भारतीय टीम टिक नहीं सकी है। भारतीय टीम ने पहली पारी में 5 विकेट पर 151 रन बनाए है। अब भारतीय टीम तीसरे दिन अपना खेल शुरू करेगी। भारतीय टीम अपनी पहली ही पारी में पूरी तरह से लड़खड़ा गई।

दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने पहली पारी में 5 विकेट पर 151 रन बना चुकी है। तीसरे दिन का खेल शुरू होने पर टीम दबाव से बचने के लिए खेल खेलेगी। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया की टीम 318 रनों से आगे हो गई है। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम की पकड़ बेहद मजबूत हो गई है। ऑस्ट्रेलिया द्वारा खड़े किए गए विशाल स्कोर के आगे वर्तमान में भारतीय टीम की ओर से अजिंक्य रहाणे (29) और केएस भरत (5) पारी को संभालने में जुटे हुए हैं।

रहाणे के कंधों पर जिम्मेदारी

इस मुकाबले में भारतीय टीम के लिए पूरी जिम्मेदारी अजिंक्य रहाणे के कंधों पर आ गई है। शुरुआती दोनों दिनों में जहां कंगारू टीम हावी रही है। वहीं अब भारतीय टीम को जीत की ओर ले जाने की जिम्मेदारी अजिंक्य रहाणे पर आ गई है। रहाणे ने इससे पहले रविंद्र जडेजा के साथ पारी को मजबूती दी। दोनों के बीच पांचवे विकेट के लिए 71 रनों की पार्टनरशिप हुई। मगर ये पार्टनरशिप नाथन लियोन ने तोड़ी जब जड़ेजा स्टीव स्मिथ के हाथों स्लीप पर कैट आउट हो गए। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे दिन अब भारतीय टीम को अपनी पारी को संभालना बेहद जरुरी होगा। दूसरे दिन के बाद अब तीसरे दिन पूरा दारोमदार भारतीय टीम के लिए अजिंक्य रहाणे के कंधो पर होगा। उन्हें केएस भरत के साथ मिलकर भारतीय टीम की डूबती नैया को पार लगाना होगा। गौरतलब है कि पहली पारी में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने धुआंदार बैटिंग करते हुए 469 रन बनाए थे। स्टीव स्मिथ ने दमदार बल्लेबाजी करते हुए करियर का 31वां शतक जड़ा था। वहीं ट्रेविस हेड ने भी 163 रनों की पारी खेली थी।

यूनीपोल, होर्डिंग एजेंसियों के ऊपर करोड़ों बकाया, जिम्मेदार बेफिक्र

2,065,7207 रुपये दबाए बैठी हैं विज्ञापन एजेंसियां

» निगम के कर अधिकारी रिश्वत लेने में व्यस्त

मो. शारिक

लखनऊ। इकाना के पास हुए हादसे के बाद नगर निगम ने कुछ तेजी दिखाई है। इसी के मद्देनजर नगर आयुक्त ने जर्जर होर्डिंगों व यूनीपोल को हटाने के निर्देश दिए हैं। उधर विज्ञापन से जुड़ी कंपनियों पर वसूली की भी कार्यवाही होने का अंदेशा है। सूत्रों से पता चला है कि 129 यूनीपोल, होर्डिंग एजेंसियों के ऊपर 2 करोड़ 65 लाख 72,07 रुपये बकाया है। जबकि 21 लाख ओरिजिन्स कंपनी पर ही बकाया है। सुनने में आर रहा कि उससे बकाय वसूलने की तैयारी है। इस बाबत आदेश की प्रति भी मेसर्स ओरिजिन्स के कार्यालय को भेज दी गयी है।

नगर निगम ने यह कार्यवाही लखनऊ नगर निगम विज्ञापन पर अनुज्ञा शुल्क का निर्धारण और वसूली उपविधि 2018 का उल्लंघन करने के आरोप में की है। सोमवार को इकाना स्टेडियम परिसर में यूनिपोल गिरने से माँ और बेटी की मौत हो गयी थी,जबकि दो लोग घायल हो गए थे। यह यूनिपोल मेसर्स ओरिजिन्स ने लगाया था। एजेंसी ने स्ट्रक्चरल इंजीनियर की रिपोर्ट भी नगर निगम में नही जमा कराई थी।

भ्रष्टाचार में लिप्त बाबू

नवीन साहू, लिपिक, कर विभाग जोन 1 वरुण बहुगुणा, कंप्यूटर बाबू, राहुल कनौजिया, फार्म कीपर, पंकज अवस्थी, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी(प्रचार अधिकारी बना बैठा) और भी सैकड़ों राजस्व निरीक्षक, लिपिक है जो अशोक सिंह की तरह सालो से एक पद पर नियमो के विपरीत जमे है इनपर नही लागू होती कोई स्थाआंतरण की नीति, अशोक सिंह के पास कार्मिक का विभाग का प्रभार है किसको कहा कैसे सेट करना ये कई वर्षो से यही तय करते है, सूत्र बताते है की कोई अधिकारी कभी कार्मिक का प्रभार इतने लंबे समय तक नहीं पाया।

4 PM में खबर छपने के बाद तल्ख हुए नगर आयुक्त के तेवर

लखनऊ में खतरनाक अवैध होर्डिंग और यूनिपोल के खिलाफ नगर निगम ने अभियान शुरू कर दिया है 4PM में लगातार हादसों की होर्डिंग के तहत लगातार खबरें प्रकाशित हो रही है इनका संज्ञान लेते हुए नगर आयुक्त ने गुरुवार को बैठक की। प्रचार एजंसियों के साथ बैठक में दो दिनों के भीतर खतरनाक और कमजोर ढांचे वाली होर्डिंग यूनिपोल हटाने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने बताया कि यह अभियान विभागीय स्तर पर चलेगा। इसकी क्षतिपूर्ति संबंधित प्रचार एजंसियों से की जाएगी। सुरक्षा के मद्देनजर लापरवाही पर सम्बंधित एजेंसी पर एफआईआर भी दर्ज होगी। उन्होंने घरों की छतों पर स्थापित मानकों के विपरीत विज्ञापन होर्डिंग हटाने को कहा। इसके अलावा जहां जहां शहर में तय सीमा से बड़ी डिजिटल स्क्रीन लगी है उनको भी हटाया जाए। मुख्य मार्ग के डिवाइडर के सभी यूनिपोल हटाये जाएंगे। शाम तक शहर में कुल 30 यूनिपोल से विज्ञापन फ्लैक्स को हटाया गया। इसके अलावा 280 राजनीतिक प्रचार वाले होर्डिंग झंडे बैनर हटाये गये।160 छोटे बोर्ड भी हटाये गये।

सांध्य दैनिक 4PM एक्सक्लूसिव

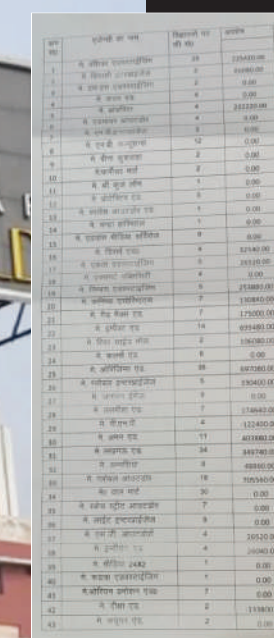

बकायदार विज्ञापन एजेंसियों की लिस्ट

रसूख ऐसा कि जोन चार को लूटा अब जोन आठ पर नजर

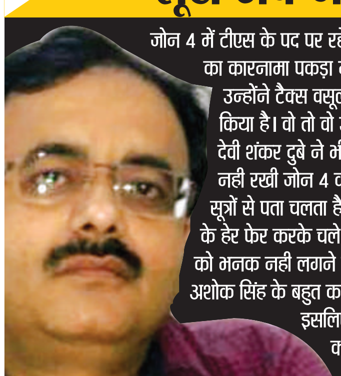

जोन 4 में टीएस के पद पर रहे अजित राय का कारनामा पकड़ा गया है उन्होंने टैक्स वसूली में धांधली किया है। वो तो वो उनके साथी देवी शंकर दुबे ने भी कोई कमी नही रखी जोन 4 को लूटने में। सूत्रों से पता चलता है करोडों रुपये के हेर फेर करके चले गए किसी को भनक नही लगने दी। ये भी अशोक सिंह के बहुत करीबी है। इसलिए इनको क्लीन चिट मिलना तय है। सूत्रों के मुताबिक जानकारी ये भी मिली है कि बिना म्यूटेशन की फीस जमा कराए ही कर दी 200 से ज्यादा फाइलें पूर्व में रहे जोनल के साथ मिलकर लूट लिया। जोन 4 को अपनी ऊंची पहुँच रखने वाले अजित रॉय टीएस से जोनल अधिकरी बने हैं। वह गोरखपुर का अपने को करीबी बताकर रौब गांठते रहते हैं। वही देवी शंकर को भी अपने साथ ही साथ लिए रहते हैं। सूत्रों मुताबिक ये भी बताया जाता है नगर निगम की लूट करने के बाद उसने वृंदावन जैसे वीआईपी एरिया में करोड़ों का आलीशान बंगला बना लिया है।

ग्वारी से पत्रकार पुरम जाने वाले रास्ते मे बना नाला जर्जर

नगर निगम के कर्मचारी सिर्फ पैस कमाने में लगे हुए है। उन्हें आमजन के कामों से कोई लेना देना नही है। गोमतीनगर के ग्वारी चौराहे से पत्रकार पुरम जाने वाले रास्ते मे बना नाला बड़ी घटना को दावत दे रहा है। कर्मी इतना शातिर हैं कि जब मंडलायुक्त व नगर आयुक्त ां निरीक्षण करने निकलते है तो जोन 4 के सम्बंधित जेई, एक्सईएन उनहें गुमराह कर देते है। सबसे बड़ी बात है कि नाले के अंदर से गयी पानी की पाइप लाइन का पानी भी प्रदूषित हो रहा क्योंकि वह पाइपलाइन काफी लंबे अरसे से टूटी पड़ी है । लोगो को नाले का पीना पड़ रहा है। नाले की बाउंड्री वाल पूरी तरह से जर्जर पड़ी है। कभी हादसा हो सकता है। इंटर लॉकिंग भी पूरी तरह से बैठ चुकी है। रोड का अता-पता नही है। जोन 4 के संबंधित अधिकारियों की पेपर में वाहवाही चल रही है जबकि जनता धरातल पे बदहाली के आंसू बाह रही है।

बेटी को इंसाफ न मिलने पर परिवार सहित की विधानसभा के सामने आत्मदाह की कोशिश

» पुलिस ने रोका, उन्नाव से आए थे सभी

» नाबालिग के साथ रेप की कोशिश का आरोप, कार्रवाई न करने से थे परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीएम योगी के सख्त कानून व्यवस्था के दावे की कलई अब खुलती जा रही हैं। कहीं कचहरी में हत्या हो रही है तो कहीं घर में घुसकर नाबालिग को मारा जा रह है। अब नया मामला पूरे परिवार द्वारा विधानसभा के सामने आत्मदाह करने का आया है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विधानसभा के सामने उन्नाव से आए एक परिवार ने आत्मदाह की कोशिश की। परिवार ने नाबालिग के साथ रेप की कोशिश करने वाले आरोपियों पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। हालांकि, पुलिस ने आत्मदाह से पहले सभी को रोक लिया और उन्हें थाने लेकर पहुंची है। पूछताछ में परिवार ने आरोप लगाया है कि उनकी नाबालिग बेटी के साथ कुछ लोगों ने रेप की कोशिश की।

असफल होने पर मारपीट की और पीड़ित परिवार के कई लोगों को घायल कर दिया। थाने में शिकायत करने पर पुलिस आरोपियों के खिलाफ मुकदमा नहीं लिख रही है। आत्मदाह की कोशिश करने वाला परिवार उन्नाव के पुरवा का रहने वाला है।

पीड़ितों का आरोप है कि गांव के दबंग राहुल सिंह और मोहित ने उनकी बेटी पर तब हमला किया, जब वह बाइक लेकर खेत की ओर जा रही थी। राहुल ने लात मारकर उसे गाड़ी से गिरा दिया। इसके बाद संकठा, कीर्तन और राधेश्याम पीछे से आए और पीड़िता को घर में खींचकर ले गए। यहां राहुल और मोहित ने नाबालिग पीड़िता के साथ रेप की कोशिश की। चिल्लाने पर पीड़िता के परिवार के अन्य लोग उसे बचाने के लिए आए। आरोपियों ने इसके बाद पीड़िता के परिवार के साथ मारपीट की और उन पर लोहे के रॉड और डंडों से वार किया।

फोटोः सुमित कुमार

दबंगों के प्रभाव में पुलिस ने नहीं लिखी शिकायत

शिकायतकर्ता ने कहा कि इसके बाद थाने में शिकायत करने की कोशिश की गई लेकिन आरोपियों के प्रभाव के कारण पुलिस ने न तो शिकायत लिखी और न ही मेडिकल कराया। आरोपियों पर लूटपाट के भी आरोप लगे हैं। पुलिस के शिकायत न सुनने पर पीड़ित परिवार लखनऊ आ गया और विधानसभा के सामने आत्मदाह की कोशिश की। हालांकि, इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया है और पूछताछ कर रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।